This question paper contains 8 printed pages]

5384-B

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper IV(B)

(तुलनात्मक भारतीय साहित्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई I

(क) फैज के किन्हीं **दो** कविता-संग्रहों के नाम बताइए।

(ख) "और भी दुख हैं जमाने में मुहब्बत के सिवा राहतें और भी वस्ल की राहत के सिवा" पंक्तियाँ फैज की किस नज्म से ली गई हैं ?

इकाई II

(ग) "तुगलक" नाटक के **दो** प्रमुख पुरुष पात्रों के नाम लिखिए ।

(घ) मुहम्मद ने सौतेली माँ को किसकी हत्या के जुर्म में मृत्युदंड दिया ?

इकाई III

(ङ) 'उठाईगीर' उपन्यास के हिन्दी अनुवादक का नाम लिखिए ।

(च) लक्ष्मण गायकवाड की पत्नी का नाम क्या है ?

इकाई IV

(छ) महाश्वेता देवी की किस रचना को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था ?

(ज) '1084 की माँ' उपन्यास में वर्णित मुक्ति दशक आन्दोलन का समय क्या था ?

इकाई V

(झ) 'जीवन एक नाटक' का गुजराती (मूल) में शीर्षक क्या है ?

(ञ) 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' में किस रस की प्रधानता है ?

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. व्याख्या कीजिए :

आज की रात साज-ए-दर्द न छेड़

दुख से भरपूर दिन तमाम हुए

और कल की खबर किसे मालूम

दोश-ओ-फर्दा की मिट चुकी हैं हुदूद

हो न हो अब सहर किसे मालूम

जिंदगी हेच ! लेकिन आज की रात

एजदीयत है मुमकिन आज की रात

3. व्याख्या कीजिए :

दरबार-ए-वतन में जब इक दिन सब जाने वाले जायेंगे

कुछ अपनी सजा को पहुँचेंगे, कुछ अपनी जजा ले जायेंगे

ऐ खाक नशीनों उठ बैठो, वो वक्त करीब आ पहुँचा है

तब तख्त गिराये जायेंगे, जब ताज उछाले जायेंगे

इकाई II

4. व्याख्या कीजिए :

मजहब को मेरी सियासत से क्या वास्ता ? मुअज्जम ! जब कभी मायूसी की कैफियत मेरे वजूद पर हावी हो जाती है तब दीन की रोशनी ही मुझे तस्कीन दे पाती है। अपनी जिंदगी में मैं बिल्कुल अकेला हूँ, मोहतरम ! यहाँ

ईमान ही मेरा रहनुमा है । लेकिन मेरी सल्तनत महज मेरी नहीं है – रिआया की भी है । हाँ वहाँ गंदगी जरूर है । मगर जब इंसान की पैदा की हुई गंदगी को साफ करना है तो अल्लाह का नाम लेकर क्यों चीखूँ ?

5. गिरीश करनाड के नाट्य-कर्म को उद्घाटित करते हुए 'तुगलक' के वैशिष्ट्य को उजागर कीजिए ।

इकाई III

6. व्याख्या कीजिए :

मुझे लगता कि अगर सब कुछ सही है तो फिर हमें बिना अपराध के क्यों पीटा जाता है ? माँ को पुलिस क्यों पीटती है उसकी साड़ी पकड़कर यह क्यों कहती है कि "साड़ी चोरी की है" । मुझे लगता कि अगर भारत मेरा देश है, तो फिर हमारे साथ ऐसा बर्ताव क्यों किया जाता है ? मैं कहाँ चोरी करता हूँ ? माँ कहाँ चोरी करती है ?

7. 'उठाईगीर' में लक्ष्मण की विद्यालय-शिक्षा अनुभव को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिये ।

इकाई IV

8. व्याख्या कीजिए :

हाँ, अभी तक ! नहीं तो एक के बाद एक जेल की दीवारें क्यों ऊँची होती जा रही हैं ? क्यों है वॉच टॉवर ? क्यों हजारों हजार लड़के जेलों में सड़ रहे हैं और कोई एक शब्द भी नहीं बोलता । जब कोई बोलता है अपने दल के स्वार्थ को सुरक्षित रखकर । क्यों, हम जो लोग काम करना चाहते हैं एक अखबार भी नहीं निकाल सकते ?

9. व्याख्या कीजिए :

सुजाता इन सबके लिए विपक्ष दल की है, क्योंकि अपने नियमित जीवन में उथल-पुथल लाने के लिए उसने कभी भी व्रती को दोषी नहीं ठहराया, छाती पीटकर नहीं रोई, किसी के कंधे पर सिर रखकर आँसू नहीं बहाए और न ही सांत्वना माँगी ।

10. व्याख्या कीजिए :

एक रात में धरती ने मानो करवट ले ली । कल तो पृथ्वी की साँस भी घुट जाए, ऐसी भाप निकलती थी, जबकि आज इस पर लेटकर सो जाने का मन हो जाए, ऐसी ठंडी, नरम और मनोरम हो बैठी थी । जगह-जगह पर खोहें और डबरे छलक उठे थे, जबकि मेंढक तो मानो भाँति-भाँति के सुर निकालने वाली चक्कियाँ हों ?

11. व्याख्या कीजिए :

आणद सु जु उदै उहास हास अति

राजति रद रिखपन्ति रुख ।

नयन कमोदणि दीप नासिका ।

मेन केस राकेश मुख ॥

खण्ड 'स'

12. फैज की शायरी गहन मानवी, समाजी और सियासी सच्चाइयों की पर्याय है । इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

13. 'उठाईगीर' में दलितों के जीवन-संघर्ष की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है । इसे सतर्क सिद्ध कीजिए ।

14. '1084 की माँ' की सुजाता का चरित्र निरूपण कीजिए ।

15. 'जीवन एक नाटक' अकाल की विभीषिका में संघर्षरत मानव की कथा है । सोदाहरण विवेचना कीजिए ।